बच्ची को बचाने गए तीन डाक्टरों में से एक की मौत, बच्ची लापता

लंघाडोल गोपद नदी किनारे पिकनिक मनाने गए थे, नहाते समय हुआ हादसा

सिंगरौली, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के लंघाडोल गोपद नदी में रविवार 24 नवम्बर को पिकनिक मनाने गए एनसीएल के तीन डॉक्टरों समेत पांच लोगों का परिवार हादसे का शिकार हो गया। नदी में डूब रही बच्ची को बचाने की कोशिश में तीन डॉक्टर गहरे पानी में चले गए। उनमें दो लोगों को बचा लिया गया, जबकि एक डॉक्टर की पानी में डूबने से मौत हो गई। बच्ची अब भी लापता है। उसकी तलाश जारी है।

एनसीएल के तीन डॉक्टर व विजिलेंस विभाग के दो अधिकारियों का परिवार रविवार को पिकनिक मनाने लघाडोल के गोपद नदी के देऊरदह घाट के किनारे आया हुआ था। इसमें रिटायर डॉ प्रवीण मुंडा, डॉ हरीश सिंह, डॉ. डीजे बोरा, विजिलेंस विभाग से सुनील कुमार एवं पीके भंडारी शामिल थे।

सभी नदी में नहा रहा थे। इसी दौरान रिटायर्ड डॉक्टर प्रवीण मुंडा की 13 वर्ष की बच्ची प्रेरणा ट्यूब के सहारे तैरते हुए गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने गए डॉ. प्रवीण मुंडा, डॉ. हरीश सिंह व डॉ. डीजे बोरा भी डूबने लगे। उन्हें नदी के किनारे स्थित मंदिर में मौजूद स्थानीय लोगों ने बचाने का प्रयास किया। लोगों ने डॉ. मुंडा एवं डॉ. बोरा को तो सुरक्षित निकाल लिया गया। वहीं इस हादसे में नेहरू अस्पताल के डेंटल एचओडी डॉ. हरीश सिंह की मौत हो गई। समाचार मिलने तक 13 वर्षीय बच्ची प्रेरणा की तलाश अब भी लगातार जारी है।

मुख्य सचिव ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में पन्ना के शिवराम धतुरहा से की चर्चा

पन्ना,देशबन्धु। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने आज भोपाल स्थित मंत्रालय वल्लभ भवन से विभागीय हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में कलेक्टर सुरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक सांई कृष्ण एस थोटा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव श्री जैन ने पन्ना सहित 10 जिलों के आवेदकों से समस्याओं के निराकरण के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान अजयगढ़ निवासी पन्ना जिले के आवेदक शिवराम धतुरहा से भी चर्चा की। आवेदक शिवराम ने बताया कि गत वर्ष धान उपार्जन की राशि 37 हजार 699 रूपए का भुगतान अब तक नहीं मिल सका है। इस पर मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को 15 दिसव में जांच कर वस्तुस्थिति से अवगत कराने तथा लापरवाही बरतने वाले के विरूद्ध कार्यवाही के लिए कहा।

उल्लेखनीय है कि प्रतिमाह के अंतिम सोमवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विदेश प्रवास के कारण मुख्य सचिव द्वारा समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में समीक्षा कर आवेदकों की समस्याएं सुनी गई एवं निराकरण के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि समस्त अधिकारी नागरिकों के प्रति संवेदनशील रहकर समस्या का गंभीरतापूर्वक निराकरण करें और प्रशासनिक व्यवस्था में अपेक्षित सुधार लाएं। इस दौरान वर्ष भर संचालित होने वाले संविधान दिवस के कार्यक्रम व गतिविधयों की रूपरेखा पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

सार-समाचार

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा प्रारंभ

पन्ना, देशबन्धु। शासन के निर्देशानुसार 25 नवम्बर से पन्ना जिले में भी हम होंगे कामयाब पखवाड़ा प्रारंभ हुआ। महिलाओं की सुरक्षा ओर सम्मान के लिए संचालित इस विशेष जागरूकता अभियान में 10 दिसम्बर तक निरंतर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ऊदल सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में प्रथम दिवस सोमवार को जेंडर आधारित हिंसा एवं अपराध की रोकथाम के संबंध में निर्धारित विषय एवं थीम पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वन स्टॉप सेंटर सहित जिले की विभिन्न संस्थाओं, आंगनवाड़ी केन्द्रों, स्कूल, महिला गृह, बालक एवं बालिका गृहों में वेबीनार के जरिए लोगों को जोड़कर संवाद किया गया।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समीक्षा कर दिए जरूरी निर्देश

पन्ना,देशबन्धु। कलेक्टर सुरेश कुमार ने कहा है कि सभी विभागीय अधिकारी विभागीय गतिविधियों का गंभीरतापूर्वक क्रियान्यवन एवं लंबित शिकायतों का निराकरण समय सीमा में प्राथमिकता के साथ करें। इसके अलावा शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ आम जनता तक आसानी से पहुंचाने की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। जिला कलेक्टर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए। इस दौरान समाधान ऑनलाइन के विभागवार चयनित विषयों एवं 100 दिवस से अधिक समयावधि के लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों सहित गत अक्टूबर माह की विभागवार सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की प्रगति और टीएल एवं जनसुनवाई पत्रों तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नागरिक सेवाओं के प्रदायगी की स्थिति की समीक्षा की गई।

कलेक्टर कुमार ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के शिकायती प्रकरणों में सटीक व संतुष्टिपूर्ण उचित गुणवत्ता का जवाब दर्ज किया जाए। प्राथमिकता के साथ आगामी दिसम्बर माह में अव्वल रैंकिंग के लिए अभी से सार्थक प्रयास करें। विभागीय कार्यों के साथ नियमित रूप से शिकायती प्रकरणों का निपटारा भी नियमित मॉनीटरिंग कर किया जाए। सभी एल-1 स्तर के अधिकारियों को समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही संपादित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही समस्त एडीएम एवं तहसीलदार को इस सप्ताह में राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों का सजगता के साथ निराकरण कर अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत वर्चुअल जुड़े बीएमओ से लापरवाह एएनएम, सीएचओ और अन्य मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही की जानकारी भी ली। इस दौरान आयुष्मान कार्ड की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और अधीनस्थ अमले पर नियंत्रण के साथ कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बताया गया कि जिले में 70 प्लस आयु के 42 हजार से अधिक एवं 34 हजार से अधिक संबल हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता के साथ बनाए जाना हैं। इस संबंध में शुरूआती तौर पर ग्राम पंचायतों को प्रतिदिन पांच कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस कार्य में सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक के आवश्यक सहयोग के लिए कहा। आशा एवं एएनएम को भी प्रतिदिन दो-दो कार्ड का टारगेट दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायत भवन में पटवारी, सचिव एवं रोजगार सहायक अपने उपस्थिति के दरम्यान हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा कर पात्र लोगों को लाभांवित करें। इस दौरान कोटवार एवं भृत्य के सहयोग से घर-घर संपर्क कर हितग्राहियों का चिन्हांकन किया जाए। जिला कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत विभागवार चिन्हित सेवाओं के क्रियान्यवन की समीक्षा कर समय सीमा में नागरिक सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

अबूझ पहेली बन गई संतोष द्विवेदी की मौत

15 दिन के अंदर खुलासा नहीं हुआ तो ग्रामवासी करेंगे थाने का घेराव

ब्यौहारी, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ढोंढा में दिनांक 18 अगस्त को संतोष द्विवेदी की लाश मुन्नालाल पटेल के कुएं में मिली थी। इस पर पूरे गांव में संतोष द्विवेदी की हत्या की चर्चा है, लेकिन घटना के ढाई महीने के बाद भी खुलासा नहीं होने पर मृतक के बड़े भाई संतोष द्विवेदी ने 27 सितम्बर को एसपी एवं 19 नवम्बर को कलेक्टर की जनसुनवाई में शिकायत की है।

संतोष द्विवेदी के बड़े भाई विनोद कुमार द्विवेदी ने कहा कि 18 अगस्त को रात 10 बजे देववती भूर्तिया का फोन आया था। पूजा पाठ करने के लिए बुलाई थी और बोली की मेरा मामा उमेश भुरतिया चौकी के पास खड़ा है। तुम उसके साथ मोटरसाइकिल पर आ जाओ। 10.30 रात बजे पूजा पाठ की सामग्री लेकर निकला था, उसके बाद दो दिन तक जब घर नहीं लौटा तो हमने खोजबीन शुरू की।

20 अगस्त को सुबह 9.30 बजे ग्राम पंचायत के सरपंच को बताया तो उन्होंने कहा कि बनास टोला के कुएं में एक लाश है। मुन्ना लाल पटेल के कुआं में है, तब मैंने जाकर के दिखा तो वह लाश मेरे भाई की थी। कपड़ों से भाई की लाश की पहचान की। जब मेरे भाई की लाश को निकाला गया, उसके गले में नीला निशान था, जीभ निकली हुई थी और अंडकोष में भी सूजन था। हमारे द्वारा आपत्ति की गई कि इसकी हत्या हुई है, लेकिन पुलिस मेरी बात नहीं सुनी बोली आत्महत्या है। मुझे डराने लगी और बोली कुआं में गिरने से इसकी मौत हुई है।

पोस्टमार्टम के बाद उसका अंतिम संस्कार हम लोगों के द्वारा कर दिया गया अंतिम संस्कार करने के बाद थाने में जाकर हत्या की बात बताई गई और लोगों के नाम भी बताए गए लेकिन मुझे डांट कर भगा दिया और तथ्यों पर जांच नहीं की जा रही है।

जिनके ऊपर शंका उनसे पूछताछ नहीं कर रही पुलिस-संतोष द्विवेदी के भाई विनोद द्विवेदी ने कहा कि देववती भूर्तिया उसकी मां एवं उसका पति हत्या की राजदार हैं। पुलिस यदि इनसे कड़ाई से पूछताछ करे तो 24 घंटे के अंदर हत्या का खुलासा हो जाएगा, लेकिन पुलिस द्वारा पता नहीं क्यों इस घटना का खुलासा नहीं किया जा रहा है।

- पुलिस की कहानी पर नहीं हो रहा परिजनों को विश्वास- मृतक के सीडीआर रिपोर्ट में बताया गया कि आवेदक की 4 के बाद कोई बात फोन से नहीं हुई जबकि मृतक के घर के पास ही नफीस बस खड़ी होती है वहां की एक महिला ने सुना की संतोष द्विवेदी रात 10 बजे किसी से बात कर रहे थे यदि संतोष द्विवेदी किसी से बात कर रहे थे तो कॉल डिटेल रिकॉर्ड में क्यों नहीं आया इसके अलावा पुलिस द्वारा बिसरा रिपोर्ट भी परिजनों को नहीं दिया गया।

पूरा गांव बोल रहा है हत्या है- इस संबंध में हमारे संवाददाता सूत्रों से पता लगाया तो पता चला कि संतोष द्विवेदी की हत्या हुई हुई है जिसको कुछ लोगों द्वारा सेटल कर दिया गया है इसलिए इसका खुलासा नहीं हो पा रहा है।

परिजनों ने की मांग- मृतक की पत्नी एवं बड़े भाई विनोद द्विवेदी ने कहा कि संतोष के चार बच्चियों जब उसकी मौत हुई तब पांचवी बार गर्भवती थी कोई अपनी गर्भवती पत्नी को छोड़कर क्यों आत्महत्या करेगा और उसका काम भी अच्छा चल रहा था।

पुलिस की आत्महत्या की बात पूरे गांव के लोगों के गले नहीं उतर रही है। आवेदक ने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक से शीघ्र संतोष द्विवेदी के हत्या का खुलासा करने की मांग की है। खड्डा क्षेत्र किस समाजसेवी रमाकांत उपाध्याय ने मीडिया से कहा है कि यदि 15 दिन अंदर इस हत्याकांड का खुलासा नहीं होता तो ग्राम वासियों द्वारा थाने का घेराव किया जाएगा।

करकेली में खेल मैदान बन गया चारागाह

उमरिया, देशबन्धु। खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश की यशस्वी सरकार ग्राम पंचायतों तक खेल मैदानों के निर्माण कराकर नव युवकों को खेल गतिविधियों से जोड़ने का सराहनीय क़दम उठाए गये थे। उमरिया जिले में भी इन गतिविधियों से जोड़ने के लिए ग्राम पंचायतों में खेल मैदानों का निर्माण कार्य करायें गये थे किन्तु कुछ स्थानों में इन खेल मैदानों पर ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों ने कुदाल चलाकर उन मैदानों को तहस-नहस कर दिये है।

ऐसा ही एक सनसनीखेज खेज मामला उमरिया जिले के करकेली जनपद पंचायत में सामने आया है। विदित होवे कि जनपद पंचायत के समीपी ग्राम पंचायत मुण्डा में एक खेल मैदान का निर्माण ग्राम पंचायत व्दारा वर्ष 2019 में कराया गया था , जिस मैदान को बदल कर उसमें चरागाह का काम कराया गया है । उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत में हुए खेल मैदान के निर्माण कार्य की तकनीकी स्वीकृति क्र 552 दिनांक 14-102016 कों दी गई थी ,जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति क्रमांक 17 दिनांक 20-1-2017 को दी गई जिसकी स्वीकृति लागत 3.53 हजार थी जो बनकर वर्ष 2019 -20 में बनकर तैयार हुआ , क्योंकि इस मैदान में लगने वाली मुरूम और काली मिट्टी के परिवहन के बिल दिनांक 30-11-2019-20 के बिल प्रयुक्त होना पाया जाता है । इस प्रकार मैदान 2020 तक प्रयोजन हेतु निर्मित हो पाया ।

यह खेल मैदान नव युवकों के लिए एक वरदान बन गया था जिसमें लोग खेलने , कूदने, दौड़ने और वयस्कों कू टहलने के लिए उपयुक्त जगह बन गई थी ।इस खेल मैदान का पूरा लाभ ग्रामीणों के सहज सुलभ हो गया था , लेकिन ग्राम पंचायतों के जिम्मेदारों ने शासन व्दारा दी गई इस उपलब्धि पर कुदाल चलाकर मेटियामेट कर दिया । बताया जाता है कि लाखों रूपए के इस खेल मैदान पर ग्राम पंचायत के व्दरा चारागाह कार्य करा कर खेल मैदान का अस्तित्व सदा के लिए मिटा दिया गया है यह हम नहीं ग्रामीणों का कहना हैं फिलहाल जिले के उच्च अधिकारियों द्वारा अगर इस चर्चित मामले की अगर सूक्ष्म जांच कराई जाए तो सब सच्चाई सामने होगी।.

जिला न्यायाधीश ने थाना प्रभारियों के साथ की बैठक

पन्ना, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आगामी 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन के संबंध में सोमवार को थाना प्रभारियों के साथ बैठक हुई। जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव हरप्रसाद बंशकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक के अवसर पर थाना प्रभारियों को लोक अदालत के दृष्टिगत शमन की तामीली के संबंध में तत्परता से कार्य कर पक्षकारों को समय पर तामीली सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए, जिससे आमजनों द्वारा लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण के माध्यम से लाभ प्राप्त किया जा सके। बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते सहित थाना प्रभारी सिटी कोतवाली, अमानगंज, सलेहा, मड़ला, देवेन्द्रनगर, बृजपुर उपस्थित रहे।

संकुलस्तरीय तीन दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता

पन्ना, देशबन्धु। मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम भोपाल के शाला उन्यन मद् से प्रदाय की गई राशि से शासकीय मनहर कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पन्ना द्वारा तीन दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

जिसमें कबड्डी, खो खो, क्रिकेट के संकुल स्तरीय खिलाड़ियां ने भाग लिया। उक्त क्रीडा प्रतियोगिता का समापन क्षेत्रीय विधायक तथा पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सपन्न हुआ।

सिंह ने कहा कि बच्चो को खेलों में भाग लेना चाहीए, सभी स्कूली बच्चे किसी न किसी खेल से जुड़े रहे, खेलने से शारिरिक, मानसिक तथा सभी प्रकार का विकास होता है। खेलो से एकता की भावना पैदा होती है। इस दौरान अनेक लोग उपस्थित रहे।

जिले में किया जा रहा है राजस्व प्रकरणों का निराकरण

पन्ना, देशबन्धु। शासन के निर्देशानुसार पन्ना जिले में भी राजस्व महाअभियान 3.0 की गतिविधियां जारी हैं। जिला कलेक्टर द्वारा भी अधिकारियों को राजस्व के समस्त प्रकरणों के शत प्रतिशत निराकरण के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। तीसरा राजस्व महाअभियान आगामी 15 दिसम्बर तक संचालित होगा। इस दौरान राजस्व विभाग के राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण सहित राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने की कार्यवाही की जा रही है। इसके अलावा जिले के नागरिकों एवं किसानों के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शे में बटांकन, फॉर्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान, स्वामित्व योजना इत्यादि के प्रकरण भी निराकृत किए जाएंगे।

उचेहरा का सामुदायिक भवन गिरने की कगार पर

उमरिया, देशबन्धु। नागरिकों के सुख सुविधाओं के विस्तार के लिए शासन व्दारा विभिन्न योजनाओं का विस्तारीकरण करते हुए हर गांव में सामुदायिक भवनों का निर्माण कराया गया था, ताकि लोगों को हर एक सुविधाओं का सहजता से लाभ मिल सके लेकिन सरकार की इस उदार पूर्ण नीतियों कों असली जामा पहनाने वाले विभागो के व्दारा उन योजनाओं के नाम पर धन राशि को डकारने की मंशा से अधिकांश योजनाओं का लाभ आमजन तक नहीं पहुंच पाता और जिम्मेदार अधिकारी मामले को दो चार कर सदा के लिए दफन कर चलते बनते हैं ?।

ऐसा ही एक संवेदनशील मामला उमरिया जिले के करकेली जनपद पंचायत के उचेहरा में देखने में आया है। बताया जाता है कि बीते पांच वर्षीय मे ग्राम पंचायत उचेहरा में पांच लाख रुपए की लागत से एक सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य कराया गया था , जो कि उपयोग हीन बनकर रह गया है।

ग्राम के कतिपय नागरिकों का कहना है कि इस भवन की आधारशिला ही एक भूमिहीन बैगा समुदाय के भूमि पर कराकर सदा के लिए विवाद खड़ा कर दिया गया है जो कि सुलझने की स्थिति में नहीं है। आदिवासी के भूमि पर बने इस सामुदायिक भवन का आज तक एक भी बार उपयोग न होने से निर्माण एजेंसी पर सवालिया निशान लग कर रह गया है ।

विदित होवे कि शासकीय भवनों के निर्माण के संबंध में साफ निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी शासकीय भवन , सड़क इत्यादि निर्माण कार्य कराने के पहले यह सुनिश्चित होना चाहिए कि निर्माणाधीन भवन शासकीय भूमि या कि अगर पट्टे आराजी के भूमि पर निर्माण होने के पूर्व उक्त भूमि पंचायत के स्वामित्व में होनी चाहिए।

जिम्मेदारों ने इस क़ायदे कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए मन मानी करते हुए सामुदायिक भवन का निर्माण आराजी खसरा नंबर 308/1 जुगुन्ती बाई बेबा पति देवियां बैगा सिया लाल, मुन्ना, रामलाल पिता देवियां, रमकलिया बाई पुत्री देविया, मंती बाई बेबा मयालाल , परभू, भरेलाल, नाबालिग बली मयालाल ,शुभा बाई, कुन्नू पुत्री मयालाल के नाम पर स्थित 0,0680 हेक्टेयर के जुज भाग में निर्मित करा दिया गया है।

बताया जाता है कि इस भवन के निर्माण को हुए एक दशक से अधिक अवधि बीत गयी, कि जर्जर स्थिति में पहुंच गया ,जिसका एक भी बार उपयोग नहीं किया गया ।इस तरह एक और शासकीय भवन कतिपय अधिकारियो के मनमानी के बलि चढ़ गया।